खबर संक्षेप

जनसुनवाई में सुनी गई 125 आवेदकों की समस्यायें

सतना। कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह एवं डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते ने जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आये 125 आवेदकों की समस्यायें सुनी और अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिये।जनसुनवाई में आवेदक जमीन का सीमांकन कराने,अनुकंपा नियुक्ति,खाद्यान पात्रता पर्ची,दाखिल-खारिज कराने,प्रधानमंत्री आवास योजना,अवैध कब्जा हटाने,विद्युत समस्या,जमीन का कब्जा दिलाने, सीमांकन कराने,दिव्यांग मोटराईज्ड ट्राईसिकिल दिलाने,चिकित्सा सहायता,रोजगार दिलाने,भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर पहुंचे।

मैहर जनसुनवाई में आए आवेदकों की सुनी गई समस्याएं

मैहर कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी के निर्देशन में अपर कलेक्टर सुश्री संजना जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलों से आए आवेदकों की समस्याओं को सुनी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम मैहर श्रीमती दिव्या पटेल,डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल,महिला बाल विकास अधिकारी राजेंद्र बांगरे,जनपद सीईओ अशोक तिवारी सहित संबंधित अधिकारियों द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गई।

मैहर जिला न्यायालय में सम्पन्न हुए मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव

मैहर। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के निर्देशानुसार न्यायालय परिषद जिला मैहर में आज12 मई 2026 को अधिवक्ता परिषद चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया में जिला मैहर के समस्त अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया।मतदान को लेकर अधिवक्ताओं में सुबह से ही विशेष उत्साह देखने को मिला तथा न्यायालय परिसर में दिनभर लोकतांत्रिक माहौल बना रहा। मतदान केन्द्र पर सुरक्षा,मतदाता पंजीकरण,पहचान सत्यापन एवं मतदान व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया।वरिष्ठ अधिवक्ताओं से लेकर युवा अधिवक्ताओं तक सभी ने लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व में सहभागिता निभाई। चुनाव अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदान पूर्णतः शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ तथा किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। इस चुनाव के माध्यम से योग्य एवं सक्रिय प्रतिनिधियों का चयन किया जाएगा,जो अधिवक्ताओं की समस्याओं एवं अधिकारों को मजबूती से परिषद तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

युवा उद्योगपति जयदेव ताम्रकार बने FMPCCI के प्रदेश उपाध्यक्ष

सतना। विंध्य क्षेत्र के प्रमुख युवा उद्योगपति और समाजसेवी जयदेव ताम्रकार की उपलब्धियों में एक और नया अध्याय जुड़ गया है। उनकी कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड

इंडस्ट्रीज,भोपाल ने उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद पर मनोनीत किया है। जयदेव ताम्रकार के इस चयन से विंध्य के उद्योग जगत में हर्ष की लहर है। जानकारों का मानना है कि प्रदेश की इस शीर्ष संस्था में उनके आने से स्थानीय उद्योगों की समस्याओं और संभावनाओं को भोपाल स्तर पर अधिक मजबूती से रखा जा सकेगा। श्री ताम्रकार वर्तमान में कई महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

क्या दिग्गजों के रसूख के आगे टिक पाएगा पटवारी का जोश?

मध्य प्रदेश कांग्रेस की कमान संभालने के बाद जीतू पटवारी इन दिनों विंध्य की माटी में कांग्रेस के 'खोए हुए किले' की तलाश में हैं।

सतना।

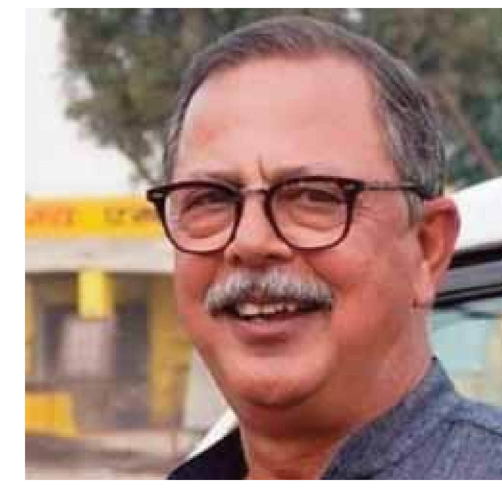

विंध्य,जो कभी कांग्रेस का अभेद्य दुर्ग हुआ करता था,आज वहाँ पार्टी के अस्तित्व को नई संजीवनी की दरकार है। पटवारी का मानना है कि यदि विंध्य में कांग्रेस का झंडा फिर से मजबूती से बुलंद हो गया,तो प्रदेश की सत्ता का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या पटवारी का युवा जोश,विंध्य के पुराने क्षत्रपों के रसूख और जमीनी हकीकत के बीच तालमेल बिठा पाएगा?

पुराने क्षत्रप और बदलती राजनीति का समीकरण

विंध्य की राजनीति हमेशा से 'चेहरों' के इर्द-गिर्द घूमती रही है। जीतू पटवारी जोश से लबरेज हैं, लेकिन चुनौती उन गहरी सियासी जड़ों से है जिन्हें दशकों तक अजय सिंह 'राहुल' जैसे कद्दावर नेताओं ने सींचा है। भले ही चुनावी अंकगणित में फिलहाल उनके 'सितारे गर्दिश' में नजर आ रहे हों,लेकिन विंध्य के गलियारों में राहुल की एक आवाज आज भी वजन रखती है। पटवारी के लिए राह इतनी आसान नहीं है,क्योंकि उनके सामने केवल भाजपा की दीवार नहीं,बल्कि कांग्रेस का वह आंतरिक ढांचा भी है जहाँ राजेंद्र सिंह (पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष) जैसे अनुभवी नेताओं का अपना एक स्वतंत्र प्रभाव क्षेत्र है। विंध्य की सियासत में इन दिग्गजों और उनके समर्थकों का विशाल नेटवर्क वह धरातल है,जिसे लांघकर कोई भी नया नेतृत्व अपनी पैठ नहीं बना सकता।

चुनौतियों का 'चक्रव्यूह': पटवारी की अग्निपरीक्षा

जीतू पटवारी के सामने सबसे बड़ी चुनौती संगठन में नई ऊर्जा भरने के साथ-साथ पुराने दिग्गजों के 'अनुभव' और 'सम्मान' के बीच संतुलन बनाने की है। क्या पटवारी उन समर्थकों का दिल जीत पाएंगे जो पीढ़ियों से कुंवर अर्जुन सिंह के परिवार के प्रति वफादार रहे हैं?

गुटबाजी का पुराना रोग

विंध्य में समन्वय का अभाव कांग्रेस की पुरानी बीमारी रही है। पटवारी का दौरा तभी सफल माना जाएगा जब वह बिखरे हुए गुटों को एक जाजम पर ला सकें। राजनीति केवल भाषणों से नहीं,स्थानीय समीकरणों से चलती है। राजेंद्र सिंह और अजय सिंह जैसे नेता क्षेत्र की नस-नस से वाकिफ हैं। पटवारी का दौरा कार्यकर्ताओं में उत्साह तो फूंक रहा है,लेकिन राजनीति की बिसात पर केवल शोर से 'किला फतह' नहीं होता।यदि विंध्य में कांग्रेस को पुनर्जीवित करना है,तो पटवारी को इन कद्दावर नेताओं के रसूख को अपनी ताकत बनाना होगा,न कि उनके समानांतर नई लकीर खींचने की कोशिश। बड़ा सवाल यह है कि क्या जीतू पटवारी विंध्य की इस कठिन 'राजनीतिक जमीन' को नापकर उस पर कांग्रेस की नई इबारत लिख पाएंगे,या दिग्गजों के रसूख के चक्रव्यूह में उलझकर यह कोशिश महज एक औपचारिक दौरा बनकर रह जाएगी।

पालदेव में दो कारों के बीच भीषण भिड़ंत, मची चीख-पुकार; स्थानीय लोगों ने बचाई जान

सतना।

चित्रकूट थाना क्षेत्र के अंतर्गत पालदेव में मंगलवार एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहाँ दो तेज रफ्तार कारों के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और कार सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना पालदेव स्थित बजरंग दल कार्यकर्ता विपिन पाण्डेय के आवास के समीप की बताई जा रही है। हादसे के तुरंत बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।स्थानीय निवासियों ने तत्परता दिखाते हुए मलबे में फंसे घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फिलहाल घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां सभी का इलाज किया जा रहा है।

शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं: अग्रवाल

कई वार्डों का किया सघन निरीक्षण

मैहर।

मैहर नगर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए मयहर नगर पालिका सीएमओ प्रिंस अग्रवाल लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को सीएमओ प्रिंस अग्रवाल अपनी पूरी टीम के साथ शहर के विभिन्न वार्डों के निरीक्षण पर निकले। उन्होंने वार्ड क्रमांक 14,15,16,17,18 एवं 21 में पहुंचकर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान सफाई दरोगा,छोटे सिंह,मनोज प्रजापति सहित पूरी नगर पालिका टीम मौजूद रही। टीम ने वार्डों में फैली गंदगी,नालियों की सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया।सीएमओ प्रिंस अग्रवाल ने कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नियमित सफाई कराने,गंदगी हटाने तथा संक्रमण से बचाव के लिए पाउडर एवं ब्लीचिग डालने के निर्देश भी दिए।सीएमओ के इस सघन निरीक्षण अभियान से नगर वासियों में उम्मीद जगी है कि आने वाले दिनों में शहर की सफाई व्यवस्था और अधिक बेहतर होगी। वहीं नगर पालिका की टीम भी पूरे उत्साह के साथ सफाई अभियान में जुटी नजर आई।

कलेक्टर ने किया आंगनबाडी केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

मैहर।

कलेक्टर मैहर बिदिशा मुखर्जी ने जनपद पंचायत मैहर के ग्राम हरदासपुर एवं धनवाही के आंगनवाड़ी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि आंगनवाड़ी केंद्र नियमित रूप से संचालित नहीं हो रहे हैं,बच्चों की उपस्थिति भी कम है तथा पोषण आहार का उचित रूप से वितरण भी नहीं पाया गया। इसके अलावा आंगनवाडी केन्द्र परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था भी उचित नहीं पाई गई। कलेक्टर मैहर ने संबंधित अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र नियमित रूप से खोले जायें और सभी व्यवस्थाओं में सुधार लाये,अन्यथा संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान यह तथ्य भी पाया कि सीडीपीओ द्वारा आंगनवाडी केंद्रों का नियमित निरीक्षण नहीं किया जा रहा था,जिसके कारण कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के कार्यो में लापरवाही दिख रही है। कलेक्टर ने संबंधित सीडीपीओ विद्याचरण तिवारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश डीपीओ राजेन्द्र बांगरे को दिये। निरीक्षण के दौरान हरदासपुर आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की संख्या कम पाये जाने पर कार्यकर्ता ने बताया कि आंगनवाडी केंद्र बस्ती से लगभग 2 किलो मीटर दूर होने के कारण अधिकतर बच्चे नहीं आ पाते।कलेक्टर मैहर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्र को पुनः पुरानी स्थान स्कूल परिसर में संचालित किया जाए ताकि बच्चों की संख्या बढ़ सके। आंगनवाडी केन्द्रों के पोषण आहार वितरण में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित मदर टेरेसा स्व सहायता समूह का अनुबंध निरस्त कर दूसरे समूह की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये। आंगनवाड़ी केंद्र की सफाई एवं मरम्मत के लिए जनपद सीईओ को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह,एसडीएम मैहर दिव्या पटेल,जनपद सीईओ अशोक तिवारी,महिला बाल विकास अधिकारी राजेंद्र बांगरे,तहसीलदार जितेन्द्र पटेल,सी डी पी ओ विद्याचरण तिवारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एनीकेट पंप में सुधार कार्य के चलते 13 मई को शाम की सप्लाई रहेगी प्रभावित

सतना। आज शहर के कुछ हिस्सों में जलापूर्ति आंशिक रूप से प्रभावित रहेगी। नगर पालिक निगम द्वारा एनीकेट स्थित पंप के एनआरवी में आए लीकेज को दुरुस्त करने के लिए आपातकालीन संधारण कार्य किया जाना है। मरम्मत के कारण 25 फीसदी तक कम होगी सप्लाई- नगर निगम के तकनीकी अमले द्वारा मरम्मत का कार्य सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। इस दौरान पंपिंग बंद रहने के कारण शहर की विभिन्न जल टंकियों में सामान्य क्षमता की तुलना में 20 से 25 प्रतिशत कम भराव हो पाएगा। परिणामस्वरूप, संबंधित क्षेत्रों में शाम की जलापूर्ति की अवधि में लगभग 25 प्रतिशत तक की कटौती हो सकती है।

आयुक्त की अपील: पानी का करें संचय- नगर पालिक निगम आयुक्त डॉ. शेर सिंह मीना ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा है कि संभावित व्यवधान को देखते हुए नागरिक आवश्यकतानुसार पानी का पूर्व संग्रहण कर लें। पेयजल का उपयोग मितव्ययिता (कम से कम) और सावधानीपूर्वक करें। मरम्मत कार्य को निर्धारित समय में पूरा कर जलप्रदाय व्यवस्था को शीघ्र सामान्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

एक नज़र में मुख्य जानकारी- एनीकेट पंप के एनआरवी में लीकेज का संधारण। संधारण का समय: सुबह 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक। असर: शाम की सप्लाई में 25% तक की कमी संभव।नगर निगम प्रशासन का कहना है कि मरम्मत कार्य को युद्ध स्तर पर पूरा किया जाएगा ताकि शहरवासियों को न्यूनतम असुविधा का सामना करना पड़े।

मैहर को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा: श्रीकांत

2 साल बेमिसाल के पुस्तक का विमोचन

मैहर।

मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के विधायक कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शहर के सरना पैलेस में भव्य कार्यक्रम का आयोजन मां शारदा देवी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। आयोजन के दौरान विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने अपने दो वर्षों के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि मैहर के विकास के लिए सभी नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज मैं विधायक हूं तो यह आप सभी के आशीर्वाद और विश्वास का परिणाम है। समय परिवर्तनशील है लेकिन जब तक जनता का आशीर्वाद रहेगा,तब तक मैहर को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। अपने संबोधन के दौरान विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी भावुक भी हो गए। मैहर के प्रति अपने लगाव और जनता के स्नेह को याद करते हुए उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। भावुक माहौल के बीच उपस्थित लोगों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग मिलकर यह तय करें कि मैहर को कैसे एक विकसित और स्वर्णिम शहर बनाया जाए। जनता जो भी सुझाव और दिशा देगी उस पर पूरी निष्ठा के साथ कार्य किया जाएगा।इस अवसर पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी द्वारा अब तक किए गए विकास कार्यों पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने विधायक के कार्यकाल की सराहना करते हुए मैहर को विकास की अग्रिम पंक्ति में लाने का संकल्प दोहराया। पूरे आयोजन में उत्साह और जनसमर्थन का माहौल देखने को मिला तथा उपस्थित लोगों ने विधायक के दो वर्ष के कार्यकाल को दो साल बेमिसाल बताते हुए शुभकामनाएं दीं।

'सिस्टम' सोता रहा, ग्रामीण लड़ते रहे; मौत के कुएं से बेजुबानों का रेस्क्यू

सतना।

जिले के बरौंधा वन परिक्षेत्र से मानवता और प्रशासनिक लापरवाही की एक बड़ी तस्वीर सामने आई है।ग्राम पंचायत केल्हौरा में पानी की तलाश में निकले जंगली सुअरों के लिए एक गहरा कुआं 'काल' बन गया। इस घटना ने जहाँ एक ओर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं,वहीं ग्रामीणों की तत्परता ने मिसाल पेश की है।

प्यास बुझाने निकले थे, मौत से हुआ सामना

भीषण गर्मी और पानी की किल्लत के बीच जंगली सुअरों का एक झुंड रिहायशी इलाके के पास स्थित एक गहरे कुएं में गिर गया। कुआं गहरा होने के कारण बेजुबान जानवर घंटों तक अपनी जान बचाने के लिए पानी के भीतर संघर्ष करते रहे।

वन विभाग की सुस्ती, ग्रामीणों का आक्रोश

ग्रामीणों का आरोप है कि घटना की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को दी गई थी, लेकिन घंटों बीत जाने के बाद भी प्रशासन और वन विभाग की कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची।विभाग की इस कुंभकर्णी नींद को देख ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। गांव वालों ने बताया कि जब बेजुबानों की जान पर बन आई और जिम्मेदार नहीं पहुंचे,तो हमने खुद मोर्चा संभालने का फैसला किया।

मसीहा बने ग्रामीण: खुद शुरू किया रेस्क्यू

विभाग का इंतजार छोड़कर केल्हौरा के ग्रामीणों ने खुद के स्तर पर संसाधनों का जुगाड़ किया। जान जोखिम में डालकर ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद कुएं में फंसे सुअरों को सुरक्षित बाहर निकाला।

जंगल,जमीन और इंसान बचेंगे तभी असली विकास होगा: प्रभात

मैहर। प्रभात द्विवेदी दद्दा अध्यक्ष नगर कांग्रेस मैहर ने जारी बयान में कहा की केन-बेतवा परियोजना के नाम पर आदिवासियों के घर उजाड़े जा रहे हैं,गांव डुबोए जा रहे हैं,जंगल काटे जा रहे हैं,जिन लोगों ने पीढ़ियों से जंगल बचाए आज वही अपनी जमीन बचाने के लिए सड़कों पर हैं।भाजपा सरकार बड़ी-बड़ी घोषणाएं करती है,लेकिन क्या कभी उन आदिवासी परिवारों की आंखों में झांककर देखा है जिन्हें अपना घर छोड़ना पड़ रहा है। क्या विकास का मतलब गरीब को उसकी मिट्टी से उखाड़ देना है।सरकार कहती है यह परियोजना बुंदेलखंड का भविष्य बदलेगी,लेकिन सच यह है कि पहले वर्तमान छीना जा रहा है क्यों कि न उचित पुनर्वास,न भरोसेमंद मुआवजा,न लोगों की सहमति ली जा रही है।अगर विकास जनता के आंसुओं पर खड़ा हो,तो वह विकास नहीं,अन्याय कहलाता है। आज जरूरत है आवाज उठाने की क्योंकि जंगल,जमीन और इंसान तीनों बचेंगे तभी असली विकास होगा।

खबर संक्षेप

15 मई को विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में शामिल होंगे प्रभारी मंत्री

पन्ना। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री इन्दर सिंह परमार गुरूवार, 14 मई को अपरान्ह 5:30 बजे दमोह जिले के बनवार से प्रस्थान कर रात्रि 8:30 बजे पन्ना आएंगे। प्रभारी मंत्री श्री परमार 15 मई, शुक्रवार को सुबह 11:30 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में शामिल होंगे तथा शाम 5 बजे सड़क मार्ग से सतना रवाना होंगे।

पवई थाना प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार केएफ. रुस्तमजी पुरस्कार से सम्मानित

पन्ना। जिले के पवई थाना प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रदेश के प्रतिष्ठित के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सोमवार को भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सिंह यादव और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार को यह पुरस्कार वर्ष 2019-20 और 2021-22 की अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए साहसिक कार्यों और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में दिए गए विशेष योगदान के लिए दिया गया है। समारोह में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कुल 101 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को तीन अलग-अलग श्रेणियों (परम विशिष्ट, अति विशिष्ट और विशिष्ट) में सम्मानित किया। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार ने इस सम्मान के लिए मुख्यमंत्री और डीजीपी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए गौरव की बात है और इससे उन्हें भविष्य में और भी अधिक ऊर्जा एवं निष्ठा के साथ जनसेवा और सुरक्षा के दायित्वों को निभाने की प्रेरणा मिलेगी।थाना प्रभारी को राज्य स्तरीय पुरस्कार मिलने की खबर मिलते ही पवई और पन्ना जिले के पुलिस विभाग सहित स्थानीय नागरिकों में हर्ष का माहौल है। वरिष्ठ अधिकारियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

पन्ना के तीन शिक्षकों का स्टेट असेसमेंट सेल में चयन

पन्ना। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा स्टार प्रोजेक्ट्स के अंतर्गत प्री-प्राइमरी से कक्षा आठ तक की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु गठित किए जा रहे स्टेट असेसमेंट सेल एवं डिस्ट्रिक्ट नॉलेज रिसोर्स ग्रुप के लिए आयोजित ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार में पन्ना जिले के शिक्षकों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। पन्ना जिले से शिक्षक रघुवीर तिवारी, राम किशोर गर्ग एवं नीरज श्रीवास्तव का चयन स्टेट असेसमेंट सेल सदस्य तथा जिला रिसोर्स ग्रुप के लिए किया गया है। यह चयन शिक्षकों की शैक्षणिक दक्षता, विषय ज्ञान एवं नवाचारपूर्ण कार्यशैली के आधार पर किया गया। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिला स्तर पर कुल आठ सदस्यों की टीम गठित की जानी है, जिसमें शेष पांच विषय विशेषज्ञ शिक्षकों का चयन जिला स्तर से किया जाएगा। चयनित टीम जिले में मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत करने, शिक्षकों को अकादमिक सहयोग प्रदान करने तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उक्त उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी जिला समन्वयक जिले के शिक्षकों तथा गणमान्य नागरिकों ने बधाई दी है।

मामले में आरोपी 4 साल से फरार चल रहा था, अशोकनगर से आरोपी गिरफ्तार

फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर युवती को ब्लैकमेल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पन्ना। सोशल मीडिया पर फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर युवती की अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने वाले आरोपी को थाना शाहनगर पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। दिनांक 08 सितंबर 2022 को फरियादिया निवासी थाना शाहनगर द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी जा रही है तथा पैसों की मांग कर ब्लैकमेल किया जा रहा है। उक्त शिकायत पर थाना शाहनगर में अपराध क्रमांक 218/22 धारा 384 भादवि एवं धारा 67 आईटी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना चौहान एवं एसडीओपी शाहनगर श्रीमती भावना दांगी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शाहनगर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान साइबर सेल पन्ना की सहायता से तकनीकी विश्लेषण एवं डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान नहीम खान पिता सलीम खान, उम्र 29 वर्ष, निवासी आजाद मोहल्ला, वार्ड नं. 10, जिला अशोकनगर के रूप में की गई। आरोपी की लोकेशन ट्रेस कर पुलिस टीम द्वारा अशोकनगर में दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। आरोपी को थाना शाहनगर लाकर वैधानिक कार्रवाई की गई।

नाम पता आरोपी - नहीम खान पिता सलीम खान, उम्र 29 वर्ष, निवासी आजाद मोहल्ला, वार्ड नं. 10, जिला अशोकनगर

सराहनीय भूमिका- उक्त कार्रवाई में निरीक्षक पी.आर. डाबर, उपनिरीक्षक मनोज यादव, प्रधान आरक्षक हेमंत रावत, प्रधान आरक्षक मनोज त्रिपाठी, आरक्षक रविंद्र अहिरवार, आरक्षक राकेश सिंह, महिला आरक्षक राजकुमारी मंडलोई थाना शाहनगर एवं साइबर सेल पन्ना की टीम का की विशेष भूमिका रही।

प्रशासन की भारी रोक के बाद भी पीड़ितों से मिलने पहुंच गए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी

पन्ना। देश में पीड़ितों गरीबों तथा अधिकार के लिए लड़ाई लड़ना अब अपराध बन गया है भाजपा की सरकार में यदि कोई पीड़ितों के साथ खड़ा हो जाता है तो उसके ऊपर भी फर्जी मुकदमे लगा दिए जाते हैं तथा तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाता है विपक्षी दलों के नेताओं को पीड़ितों से मिलने के लिए अनेक प्रकार के प्रबंध प्रशासन द्वारा किए जाते हैं जिससे वह पीड़ितों की आवाज ना सुन सके यही घटनाक्रम पन्ना में हुआ विगत कई महीनो से पन्ना जिले में केन बेतवा लिंक परियोजना तथा रूंज मझगांव सिंचाई परियोजना के लोग मुआवजा तथा अन्य आपत्तियों को लेकर आंदोलन कर रहे थे0 लेकिन प्रशासन द्वारा उनकी मांगों को नहीं सुना जा रहा था। मामले की जानकारी प्राप्त होने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पन्ना पहुंचे उन्होंने जिला जेल में बंद पीड़ितों से मुलाकात की अजयगढ़ में पीड़ितों से मुलाकात की तथा जब वह बांध के पास आंदोलन कर रहे गरीबों से मिलने के लिए जाने लगे तो टाइगर रिजर्व एवं पुलिस प्रशासन द्वारा उन्हें जाने से रोक दिया गया तथा ना मिलने के लिए भारी पुलिस अमला लगाया गया। लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी मोटरसाइकिल से पीड़ितों से मिलने पहुंच गए जिन्हें देखकर आंदोलन रात सभी पीड़ितों को भारी संबल मिला उन्होंने सभी से मुलाकात करके कहा कि आपकी लड़ाई हम लड़ते रहेंगे शासन प्रशासन की धमकी से डरेंगे नहीं।

अपर कलेक्टर ने वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

पन्ना। अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे ने मंगलवार को पन्ना नगर में संचालित वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशासक कविता पाण्डेय द्वारा सेंटर के माध्यम से विपत्तिग्रस्त महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई। साथ ही गत माह में क्रियान्वित कार्यों एवं महिलाओं को मिली सहायता के बारे में भी अवगत कराया। निरीक्षण के मौके पर सखी केन्द्र से 24 घंटे एवं 7 दिवस उपलब्ध निःशुल्क सहायता सहित आवश्यक हेल्पलाइन एवं सपर्क नंबर की जानकारी भी ली गई। अपर कलेक्टर ने वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली तथा मदद की स्थिति में निरंतर फॉलोअप के बारे में पूछा। साथ ही सेवाओं को निरंतर रूप से सुलभ एवं प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए। इस दौरान काउंसलिंग सहित आश्रय सुविधा एवं पुलिस, कानूनी एवं आपातकालीन सहायता सहित स्वास्थ्य सेवाओं की गतिविधियों से संबंधित जानकारी भी प्राप्त की तथा वन स्टॉप सेंटर के कार्यों की सराहना की गई। निरीक्षण के दौरान सेंटर की महिला कर्मचारी भी उपस्थित रहीं।

गलत परीक्षा केंद्र पहुंचे छात्र-छात्रा को हस्तक्षेप से मिली शाहनगर में परीक्षा देने की अनुमति

पत्रकार की जागरूकता से बचा 2 विद्यार्थियों का भविष्य

पन्ना। पूरक बोर्ड परीक्षाओं के दौरान प्रवेश पत्र में त्रुटि के कारण कई विद्यार्थी परीक्षा से वंचित होते-होते बचे। स्थानीय पत्रकार और प्रशासन की तत्परता से 2 विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण वर्ष बच गया। द्वितीय अवसर बोर्ड परीक्षाओं में शाहनगर अंचल के कई छात्र-छात्राओं के प्रवेश पत्र में भूलवश परीक्षा केंद्र ष्शासकीय आर.पी. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पन्नाष अंकित हो गया, जबकि वे शाहनगर के निवासी हैं। पन्ना 110 किमी दूर होने से कई विद्यार्थी परीक्षा से वंचित होते नजर आ रहे हैं

12 मई को फिर दोहराई गई घटना-

12 मई को भी ऐसा ही मामला सामने आया। विज्ञान संकाय के छात्र सौरव यादव पिता अभय कुमार यादव निवासी टूडा को फिजिक्स का पेपर देने पन्ना जाना था। वहीं 12वीं की छात्रा महक अली पिता अमजद अली निवासी शाहनगर भी भूलवश शाहनगर स्थित संदीपनी परीक्षा केंद्र पहुंच गईं। पन्ना परीक्षा केंद्र होने से दोनों विद्यार्थियों के परीक्षा से वंचित होने की स्थिति बन गई थी।

पत्रकार की पहल, प्रशासन हरकत में

स्थिति की गंभीरता देख अभिभावकों ने तत्काल स्थानीय पत्रकार जितेन्द्र दुबे की मदद ली। मौके पर पहुंचे पत्रकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शाहनगर एसडीएम रामनिवास चौधरी, बीईओ श्रीमती रागनी तिवारी एवं थाना प्रभारी परशुराम डाबर को अवगत कराया।शिक्षा, राजस्व और पुलिस प्रशासन ने तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए आवश्यक समन्वय स्थापित किया। संबंधित केंद्राध्यक्ष से बात कर त्वरित हस्तक्षेप करते हुए दोनों विद्यार्थियों को शाहनगर परीक्षा केंद्र में ही परीक्षा देने की अनुमति दिलाई गई।गौरतलब है की 9 मई को भी 4 छात्राएं इसी तरह गलती से शाहनगर केंद्र पहुंच गई थीं, जिन्हें भी हस्तक्षेप के बाद परीक्षा में बैठाया गया था।

बच गया महत्वपूर्ण वर्ष-

इस मानवीय पहल से दोनों परीक्षार्थी सफलतापूर्वक परीक्षा में सम्मिलित हो सके और उनका एक महत्वपूर्ण वर्ष बच गया। अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों ने पत्रकार एवं प्रशासनिक अधिकारियों की इस संवेदनशील पहल की सराहना की है।

केंद्राध्यक्ष ने कहा-

संदीपनी विद्यालय शाहनगर के केंद्राध्यक्ष महेंद्र यादव ने बताया, -ष्मुझे जानकारी मिली कि दो परीक्षार्थी महक अली और सौरव यादव जिनके प्रवेश पत्र में पन्ना परीक्षा केंद्र अंकित था, गलती से यहां आ गए। स्थानीय पत्रकार जितेन्द्र दुबे और एसडीएम महोदय ने तत्काल जानकारी दी। मैंने वरिष्ठ कार्यालय पन्ना को अवगत कराकर उन्हें परीक्षा में बैठाया। हालांकि अगला पेपर विद्यार्थियों को पन्ना परीक्षा केंद्र में ही देना होगा।

हवा में घुलने से पहले जहरीली गैस पर लगेगी रोक, युवा वैज्ञानिकों ने खोजी नई तकनीक

पन्ना के वैज्ञानिक डॉक्टर अक्षत मोदी ने जिले का नाम किया रोशन

पन्ना। देश में वैज्ञानिक और रिसर्च संस्थान लगातार नई तकनीकों और शोध के माध्यम से भविष्य की चुनौतियों का समाधान खोजने में जुटे हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर वैज्ञानिकों की नई खोजों ने यह साबित कर दिया है कि भारत तकनीक और रिसर्च के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (प्ष्मित) के वैज्ञानिकों ने ऐसी नई तकनीक विकसित की है, जो हवा में घुलने से पहले ही जहरीली कार्बन डाइऑक्साइड (ब्व) गैस को रोकने में सक्षम होगी। युवा वैज्ञानिक अक्षत मोदी तथा उनके साथी वैज्ञानिकों के अनुसार यह तकनीक विशेष प्रकार के "मेथेन फिल्टर" पर आधारित है, जो ब्व को अन्य गैसों से अलग करने में मदद करेगा। इससे वातावरण में प्रदूषण फैलाने वाली गैसों को नियंत्रित करने में सहायता मिलेगी और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्या से निपटने में भी यह तकनीक उपयोगी साबित हो सकती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह तकनीक औद्योगिक क्षेत्रों में काफी कारगर होगी, जहां बड़ी मात्रा में जहरीली गैसों का उत्सर्जन होता है।

मेथेन फिल्टर से अलग होगी

प्ष्मित के वैज्ञानिकों ने बताया कि उन्होंने एक विशेष मैटेरियल तैयार किया है, जो मेथेन और अन्य गैसों के मिश्रण से ब्व को अलग करने में सक्षम है। इस प्रक्रिया में गैसों को फिल्टर कर शुद्ध मेथेन प्राप्त किया जा सकेगा। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह तकनीक ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है। शोधकर्ताओं ने बताया कि फिल्टर की मदद से गैसों की शुद्धता बढ़ेगी और प्रदूषण में कमी आएगी। इससे उद्योगों में ऊर्जा का बेहतर उपयोग हो सकेगा और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गैसों पर नियंत्रण पाया जा सकेगा।

तकनीक पर भी हो रहा बड़ा रिसर्च

वहीं दूसरी ओर, वैज्ञानिक अब 6ळ तकनीक को लेकर भी तेजी से काम कर रहे हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि भविष्य में 6ळ तकनीक संचार व्यवस्था को पूरी तरह बदल देगी। इससे इंटरनेट की स्पीड कई गुना बढ़ जाएगी और बिना किसी रुकावट के डेटा ट्रांसफर संभव हो सकेगा। इस दिशा में रिसर्च कर रहे वैज्ञानिकों को सरकार की ओर से लाखों रुपये की रिसर्च ग्रांट भी दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में भारत 6ळ तकनीक के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो सकता है।

तकनीक और रिसर्च से बदल रहा भविष्य

विशेषज्ञों का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक संचार तकनीकों पर हो रहा यह शोध देश के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। एक ओर जहां नई तकनीक प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद करेगी, वहीं दूसरी ओर 6ळ जैसी तकनीक डिजिटल दुनिया को नई दिशा देगी। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर सामने आई इन उपलब्धियों ने यह साबित कर दिया है कि भारत के वैज्ञानिक भविष्य की चुनौतियों का समाधान खोजने में लगातार नई सफलताएं हासिल कर रहे हैं पन्ना के वैज्ञानिक डॉक्टर अक्षत मोदी की उक्त सफलता पर जिले के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है बधाई देने वालों में मुख्य रूप से डॉ नागेश केशव सम्राट मोदी अमन कोणार्क मोदी सचिन गोयल रिटायर्ड जज अरुण कुमार मिश्रा मनोज केसरवानी विष्णु बड़ेरिया के सी खरे गोविंद बड़ेरिया आर के आरुसिया अशोक गुप्ता सुरेश सौरभ जगदीश चिरौलिया राहुल बिरला मंजू लता जैन राकेश पांडे वीर भानु धामी ऋषभ खरे अनिल चतुर्वेदी विपिन जैन लालबत गोरे लाल यादव नरेश पटेल सी एस दिवेदी राजेश पटेल मंजू खरे श्रीमती पुष्पा मोदी श्रीमती वर्षा मोदी कनिका मोदी राजेश तिवारी बीएल शर्मा लक्ष्मीकांत शर्मा अरुण सोनी हरदीप सिंह चौहान गोपाल बड़ेरिया राजेश बदरिया अवधेश गुप्ता राजा काश्तवार महेश खेरहा डॉ रवि शंकर मोदी रज्जू सेठ आदि शिव मोदी रंजना गुप्ता पूजा शैलेंद्र सिंह गुड्डू मोदी मोनू मोदी अरविंद मोर पत्रकार मनीष मिश्रा सुरेश खरे डॉ राकेश सोनी श्रीमती ममता लहरिया रूपेश मोदी राजेंद्र गुप्ता सुरेश बबड़ेरिया आदि।

भूमि की तैयारी पौध रोपण तकनीकी पर यूट्यूब लाईव कार्यक्रम का आयोजन

मिट्टी की सेहत को सुधारना हम सबकी जिम्मेदारी - डॉ. पी.एन.त्रिपाठी

कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को दी जानकारी

पन्ना। जिले के किसानो को समर्थन संस्था ने रिलायंस फाउन्डेसन के सहयोग एवं कृविकेन्द्र के बरिष्ट वैज्ञानिक डा. पी.एन त्रिपाठी, रितेश वगोरा ने किसानो को आफनलाईन यूट्यूब चौनल के माध्यम से लगभग सैकड़ा से उपर किसान डायरेक्ट एवं विस्तार कार्यकर्ता के माध्यम से समूह में जुड कर मोवाईल से जानकारी प्राप्त की एवं शंका समाधान के लिये सवाल भी पूछे। कृषि वैज्ञानिक डा. त्रिपाठी ने किसानो को नरवई नही जलाने एवं डीकम्पोजर से खाद तैयार करने एवं मिटटी की गहरी जुताई दो से तीन वर्ष में एक वार जरूर करे की जानकारी दी।

कार्यक्रम में रिलायंस के जिला प्रबंधक मुकेश कुमार सेंगर,प्रदीप तिवारी,पुष्पेन्द्र पाण्डेय,दिवाकर वागरी,ज्ञानेन्द्र तिवारी ने विस्तार कार्यकर्ता के माध्या से जिले के पवई अजयगढ़ पन्ना गुनौर से सैकड़ा से ज्सादा किसानो ने जानकारी प्राप्त की। खेत की तैयारी कैसे करे कृ मिट्टी की जांच का समय यही जब किसान अपना सेम्पल लेकर मिटटी परीक्षण केन्द्र में जमा कर सकते है। प्रशिक्षण हम लोग देगे सेम्पल लेना सिखा देगे। गहरी जुताई नरवई से खाद डीकम्पोजर तैयार करना हरी खाद सनई आदि का उपयोग करना। प्राकृतिक खेती अपनाकर मिटटभ में सुधार की जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में सोलर संयंत्र स्थापना पर मिलेगा अनुदान

पन्ना। म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा जनसामान्य से भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने की अपील की गई है। इस योजना में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को अपने घर की छत पर सोलर रूफ टॉफ संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। योजना के माध्यम से उपभोक्ता स्वयं बिजली उत्पादन कर अपने मासिक विद्युत बिल में 30 से 70 प्रतिशत तक की बचत कर स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यपालन अभियंता अमितेश मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में केन्द्र सरकार द्वारा सोलर संयंत्र स्थापना पर अनुदान राशि प्रदान की जाती है। एक किलोवाट संयंत्र पर 30 हजार रूपए, 2 किलोवाट संयंत्र पर 60 हजार रूपए तथा 3 किलोवाट एवं उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर 78 हजार रूपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है। योजना के लाभ के लिए इच्छुक उपभोक्ताओं द्वारा ीजजचेरूध्ध्चउेनतलंहींतणहवअण्पदध्धु पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन स्वीकृति उपरांत अधिकृत वेंडर द्वारा सोलर संयंत्र स्थापित किया जाएगा। निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने पर अनुदान राशि सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में जमा की जाएगी। सभी घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं से योजना का अधिकाधिक लाभ प्राप्त कर बिजली खर्च में कमी लाने तथा सौर ऊर्जा को अपनाकर आत्मनिर्भर एवं पर्यावरण हितैषी भारत के निर्माण में सहभागी बनने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए विद्युत वितरण केन्द्र अथवा विद्युत कंपनी के कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता संघ चुनाव 2026

छतरपुर। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता संघ चुनाव 2026 को लेकर प्रदेशभर के न्यायालय परिसरों में मंगलवार को मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और दिनभर न्यायालय परिसरों में मतदान जारी रहा। जानकारी के अनुसार इस बार चुनाव में कुल 122 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें से सदस्य पद के लिए 25 सदस्यों का चयन किया जाएगा। चुने गए सदस्य बाद में मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह ने बताया कि जिले में अधिवक्ताओं द्वारा जितेंद्र कुमार व्यास के समर्थन में मतदान किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जितेंद्र कुमार व्यास चुनाव में विजय हासिल करेंगे। चुनाव न्यायाधीश की मौजूदगी में मतदान प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और शांतिपूर्ण वातावरण में कराई गई। वहीं मतदान के दौरान अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

चार साल पढ़ाई के बाद भी छात्रा की नहीं बनी पेन आईडी

छतरपुर। जिले में निजी स्कूल प्रबंधन की लापरवाही का एक मामला सामने आया है, जहां चार वर्षों तक अध्ययन करने के बावजूद छात्रा की पेन आईडी नहीं बनाई गई। मामले को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में अभिभावक ने शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की।प्रार्थी श्रीमती प्रतिमा तिवारी ने बताया कि उनकी बेटी कु. श्रुति तिवारी वर्ष 2022-23 से मरिया माता कॉन्वेंट स्कूल में अध्ययनरत थी। हाल ही में छात्रा ने कक्षा 8वीं उत्तीर्ण की, जिसके बाद स्कूल से टीसी ली गई। टीसी प्राप्त करने के दौरान यह जानकारी सामने आई कि छात्रा की अब तक पेन आईडी जारी ही नहीं की गई है।अभिभावक का कहना है कि पेन नंबर नहीं होने के कारण दूसरे विद्यालय में प्रवेश लेने में परेशानी आ रही है और छात्रा का भविष्य संकट में पड़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन की लापरवाही से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। जनसुनवाई में दिए आवेदन के माध्यम से उन्होंने कलेक्टर से छात्रा की पेन आईडी शीघ्र बनवाने, दोषी जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा छात्रा के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग की है।

10 हजार के इनामी बदमाश राजा पंडित गिरफ्तार

नौगांव। थाना नौगांव पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। करीब एक वर्ष से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी बदमाश राजा पंडित को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी उत्तर प्रदेश के ललितपुर का निवासी है और उसके खिलाफ हत्या, लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं।जानकारी के अनुसार 13 मई 2025 को थाना क्षेत्र के महोबा रोड स्थित मानपुरा के पास एक सनसनीखेज घटना हुई थी। नौगांव शासकीय बापू महाविद्यालय में परीक्षा देने आई एक छात्रा जब टैक्सी से अपने गांव लौट रही थी, तभी अज्ञात फोर व्हीलर वाहन में सवार पांच बदमाशों ने टैक्सी को रोक लिया।इस मामले में पुलिस ने पूर्व में आरोपी पंकज यादव, संजू यादव, राजाराम यादव और संदीप विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं मुख्य आरोपी राजा पंडित लगातार फरार चल रहा था। आरोपी अपनी लोकेशन बदलता रहता था और मोबाइल फोन का इस्तेमाल भी नहीं करता था, जिससे पुलिस को उसकी तलाश में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा द्वारा आरोपी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। साइबर सेल की मदद और लगातार निगरानी के बाद सोमवार को नौगांव पुलिस ने आरोपी राजा पंडित को गिरफ्तार कर लिया। एसडीओपी अमित मेश्राम ने बताया कि आरोपी कुख्यात अपराधी है और लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था। उसके खिलाफ ललितपुर सहित अन्य स्थानों पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पूरे अभियान में थाना प्रभारी संजय राय, चौकी गरोली प्रभारी डीडी शक्य, सब इंस्पेक्टर प्रमोद रोहित, आरक्षक आशीष, सत्येंद्र सिंह, यादवेंद्र सिंह और आसाराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आदिवासियों से मिलने जा रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को वन विभाग ने भूसोर गेट पर रोका

केन बेतवा लिंक परिजयोजना के तहत ढोडन में बांध बनने से विस्थापित आदिवासियों से मिलने जा रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को बन विभाग की टीम ने भूसोर गेट पर बैरिकेट लगाकर रोक दिया

छतरपुर।

साथ पूर्व विधायक आलोक चतुर्वेदी मौजूद रहे। वन विभाग की तानाशाही को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि खाकी के दम पर आदिवासियों की चीख तो दबा सकते है रास्ता रोक सकते है लेकिन उनका आक्रोश कैसे रोक पाओगे। जीतू पटवारी ने छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल से आंदोलनकारियों से मिलने जाने के लिए निवेदन किया था लेकिन कलेक्टर ने मिलने की अनुमति नही दी थी। वहीं जीतू पटवारी ने पन्ना टाईगर रिजर्व पन्ना के फील्ड डायरेक्टर पटेल से फोन पर बात कर आंदोलनकारियों से मिलने की बात कही और साथ में 4 से 10 लोग रहने की बात बताई। लेकिन पन्ना

टाईगर रिजर्व पन्ना के डायरेक्टर पटेल ने भी अनुमति नहीं दी जिसके बाद जीतू पटवारी बगल बाली रास्ता से मोटर साईकिल में बैठकर ढोढन्न बांध निर्माण स्थल पर आंदोलनकारियों से मिलने निकल गए। विस्थापित गांव की महिलाएं रिश्तेदारी मे जा रही थी लेकिन उन्हें भी रोक रखा था। आदिवासी महिलाओं ने भूसोर नाका के गेट का ताला तोड़ा और अंदर अपने गांव गई जीतू पटवारी ने भी विस्थापित आदिवासी आंदोलनकारियो से बात की उनका हाल चाल जाना। आंदोलनकारियों की मांग थी कि उनके नेता अमित भटनागर को रिहा किया जाए और हमारी मांगे पूरी की जाए तभी हम आंदोलन समाप्त करेंगे। पन्ना टाईगर रिजर्व पन्ना के अधिकारियों ने वन्य प्राणी अधिनियम के तहत जीतू पटवारी सहित 30 से 40 कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज किया। आपको बता दें कि ढोढन्न बांध को लेकर समाजसेवी अमित भटनागर के नेतृत्व में लम्बे समय से उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर आंदोलन चल रहा है। अभी पिछले माह करीब 13 दिन चिता आंदोलन चला, प्रशासन के बीच बैठकर बातचीत भी हुई लेकिन अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला। तब अमित भटनागर के नेतृत्व में पन्ना से तीन दिन पहले न्याय यात्रा शुरू की जानी थी। लेकिन उसके पहले ही अमित भटनागर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। सोमवार को अजयगढ़ न्यायालय से अमित भटनागर को जमानत दी गई, लेकिन उसके बाद भी वन विभाग के अधिकारियों ने अमित भटनागर को इस आधार पर गिरफ्तार कर लिया की उनके विरूद्व वन विभाग द्वारा मामले दर्ज कराए गए है।

सिंहपुर बैराज डैम में डूबने से 2 युवकों की मौत, शादी की खुशियां मातम में बदली

छतरपुर।

जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र स्थित सिंहपुर बैराज डैम में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। शादी समारोह में शामिल होने जम्मू से गांव आए दो युवकों की डैम में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई, वहीं शादी वाले घर की खुशियां मातम में बदल गईं।

जानकारी के अनुसार ग्राम दीवान जी का पुरवा, मटौंधा निवासी गोरेलाल अहिरवार के घर शादी समारोह था। इस कार्यक्रम में शामिल होने जम्मू से रिश्तेदारी में 10 से 12 युवक गांव आए थे। सभी युवक घूमने और नहाने के लिए सिंघपुर बैराज डैम पहुंचे थे। नहाते समय रोहित अहिरवार (21 वर्ष) और दुलीचंद उर्फ ओम अहिरवार (14 वर्ष) गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। साथियों ने शोर मचाया तो ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों पानी में लापता हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही महाराजपुर थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। युवकों की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। रातभर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। गुरुवार सुबह दोनों युवकों के शव डैम से बरामद कर लिए गए। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जम्मू से आए रिश्तेदार गहरे सदमे में हैं। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बारदाना की कमी एवं परिवहन में देरी से प्रभावित हो रही खरीदी केन्द्रों मे तुलाई

किसान परेशान, एक हफ्ते से कई केन्द्रों में किसान तुलाई का कर रहे इंतजार

छतरपुर।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन द्वारा समर्थन मूल्य पर किसानों का गेहूं खरीदने के लिए पूरे प्रदेश में जिला वार केन्द्र खोले गए है। और उन केन्द्रों में खरीदी 15 अप्रैल से शुरू कर दी है लेकिन खरीदी केन्द्रों मे बारदाना की कमी और परिवहन की समस्या बनी हुई है। जिससे ना केवल किसान परेशान है, बल्कि समिति के कर्मचारी भी परेशान है। क्योंकि बारदाना के अभाव में हफ्तों तुलाई नही हो पा रही है और समितियों के प्रांगण मे ट्रेक्ट्ररों की लाईन लगी हुई है। किसानों के लिए ना तो पानी की व्यवस्था है, और ना ही भोजन के लिए कैन्टीन खुली है। सबसे बड़ी समस्या तो यह सुनने को मिली है कि जो किसान किराए का ट्रेक्टर लेकर गेहूं बेचने गए है उन्हें कम से कम 1000-1500 रूपए प्रतिदिन के हिसाब से भाडा. देना पड़ रहा है। अधिकांश खरीदी केन्द्रों में किसानों की जगह व्यापारियों का गेहूं खरीदा जा रहा है। जिले के 50 प्रतिशत से अधिक खरीदी केन्द्र ऐसे है जहां गेहूं खरीदी में सीधा सीधा व्यापारियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। क्योंकि वास्तविक किसान खरीदी शुरू होने के पहले ही अपना गेहूं बाजार में खुले रेट पर बेच चुका है।

अब समिति प्रबंधकों एवं केन्द्र प्रभारियों व व्यापारियों की सांठगांठ के चलते पुराना घुना गेंहू भी केन्द्रों मे खपाया जा रहा है। कहने के लिए केन्द्रों मे सर्वेयर है लेकिन यह सर्वेयर चंद्र चांदी के सिक्कों में बिके हुए क़े आरोप लग रहे है। जिससे किसी भी केन्द्र में ना तो गेहूं में छन्ना लगाया जा रहा है और ना ही एफएक्यू क्वालिटी का पालन किया जा रहा है। जबकि कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए थे लेकिन कलेक्टर के आदेश को सहकारिता विभाग के अधिकारी और कर्मचारी हबा में उछाल रहे है।

तुलाई के नाम पर लिए जा रहे 25-30 रूपए प्रति क्विंटल -

अन्नदाता किसान को खरीदी केन्द्रों मे हर तरह से लूटा जा रहा है पहले तो निर्धारित बजन से अधिक तुलाई की जा रही है। अधिकांश केन्द्रों मे 51 एवं 52 किलो की तुलाई चल रही है। जहां जूट की बोंरिया है वहां बोरी का अधिक बजन बताकर 52 किलो से अधिक गेहूं किसान का तोला जा रहा है। शासन द्वारा 2585 प्रति क्विंटल और 40 रूपए प्रति क्विंटल बोनस निर्धारित किया गया है। कुल मिलाकर 2625 रूपए प्रति कंविटल किसान को मिलना चाहिए लेकिन केन्द्र प्रभारियों का स्पष्ट कहना है कि 2600 रूपए किसान के खाते में जाएंगे और ऊपर के 25 रूपए उन्हें तुलाई के नाम पर चाहिए। यह भर्राशाही सभी केन्द्रों मे चल रही है लेकिन प्रशासन ने जिन जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारियों को खरीदी की जिम्मेदारी सौंपी है वह किसानों की समस्या नहीं सुन रहे और ना ही खरीदी केन्द्र पर जाकर किसानों के साथ हो रही लूटखसोट की जांच कर रहे है। पनौठा गांव के एक पटेल किसान ने बताया कि ईशानगर के खरीदी केन्द्र में विरोध करने के बाद भी केन्द्र प्रभारी द्वारा 25-30 रूपए प्रति कंविटल तुलाई के नाम पर जबरन लिए जा रहे है। यदि किसान 25-30 रूपए देने को तैयार नहीं होता। तो उसके गेहूं की तुलाई कई दिनों तक नही की जाती है जिससे किसान को ट्रैक्टर के भाड़े का बोझ बहन करना पड़ता है। इस कारण मजबूरी में किसान 25 रूपए तुलाई देने के लिए मजबूर हो रहा है।

सिविल अपील लंबित होने के बावजूद भू-माफियाओं द्वारा पैतृक जमीन पर जबरन कब्जे का प्रयास, कलेक्टर से गुहार

छतरपुर।

जिला अंतर्गत बड़ामलहरा तहसील के ग्राम बछरावनी में भू-माफियाओं द्वारा दबंगई और धोखाधड़ी का एक गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय निवासियों ने कलेक्टर को शिकायती आवेदन सौंपकर अपनी पुस्तैनी कृषि भूमि को बचाने और न्याय दिलाने की मांग की है। प्रार्थियों का आरोप है कि उनकी भूमि के संबंध में न्यायालय में सिविल अपील विचाराधीन होने के बावजूद विपक्षी पार्टी ने न केवल जमीन की रजिस्ट्री कराई, बल्कि प्रभावशाली राजनैतिक संरक्षण के दम पर अवैध कब्जा करने और परिवार को जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं।

पूरा मामला ग्राम बछरावनी की भूमि से जुड़ा है। प्रार्थियों के अनुसार, पूर्व में रामदीन शुक्ला और लक्ष्मण प्रसाद शुक्ला द्वारा रिकॉर्ड में काट-छाँट कर अपने नाम दर्ज करा लिए गए थे। इस मामले में प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड बड़ामलहरा द्वारा 9 फरवरी 2026 को आदेश पारित किया गया था, जिसके विरुद्ध फिलहाल जिला जज बिजावर के समक्ष अपील विचाराधीन है। आरोप है कि इस कानूनी प्रक्रिया के लंबित रहने के दौरान ही विपक्षी प्रेमनारायण रैकवार, मुकेश और नंदकिशोर ने अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर जमीन की रजिस्ट्री करा ली और तहसीलदार के माध्यम से आनन-फानन में नामांतरण का आदेश भी पारित करवा लिया।

ग्रामीणों का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया असंवैधानिक और गैर-कानूनी है क्योंकि मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। शिकायतकर्ता परिवार ने आरोप लगाया कि अनावेदकगण न केवल जमीन पर जबरन सीमांकन और कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि उनके परिवार की महिलाओं के साथ अभद्रता और गाली-गलौज भी की जा रही है। प्रार्थियों ने कलेक्टर से निवेदन किया है कि उनकी जान-माल की रक्षा की जाए, विवादित भूमि पर कब्जे की कोशिशों को रोका जाए और दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आवेदन में स्पष्ट किया गया है कि विपक्षी प्रभावशाली राजनैतिक पहुँच वाले व्यक्ति हैं, जो प्रार्थियों के शांतिपूर्ण आधिपत्य को छीनना चाहते हैं।

बेटे को खुदकुशी के लिए उकसाने का आरोप, न्याय के लिए दर-दर भटक रही बेबस माँ

छतरपुर।

जिला छतरपुर के नौगांव निवासी एक पीड़ित मां ने अपने पुत्र की मृत्यु के मामले में न्याय की गुहार लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मंगलवार को एक बार फिर आवेदन सौंपा है। प्रार्थिया श्रीमती फूला देवी, निवासी हल्लू कॉलोनी, नौगांव ने आरोप लगाया है कि उनके 34 वर्षीय पुत्र विकास अहिरवार को कुछ व्यक्तियों द्वारा आर्थिक रूप से परेशान और ब्लैकमेल किया जा रहा था, जिसके चलते उसने आत्मघाती कदम उठाया। घटनाक्रम के अनुसार, बीती 22 अप्रैल 2026 को विकास की तबीयत बिगडन्ने पर उसे इलाज के लिए झांसी ले जाया जा रहा था, परंतु रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

परिजनों को संदेह होने पर जब शव का पोस्टमार्टम कराया गया, तो तलाशी के दौरान मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट और बैंक जमा पर्ची बरामद हुई। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि सुसाइड नोट में रितु अहिरवार नामक व्यक्ति और कुछ विशेष मोबाइल नंबरों का जिक्र है, जो मृतक को लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। पीड़िता का आरोप है कि इस गंभीर सुसाइड नोट के बावजूद नौगांव थाना पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। मां का यह भी आरोप है कि थाना प्रभारी मामले को रफा-दफा करने का प्रयास कर रहे हैं और पूर्व में दिए गए आवेदनों पर भी कोई संज्ञान नहीं लिया गया। पीड़ित परिवार ने अब पुलिस अधीक्षक से सुसाइड नोट में दर्ज मोबाइल नंबरों की जांच करने और दोषियों के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है।

15 साल से सड़क को तरसे वार्डवासी, जनसुनवाई में फिर लगाई गुहार

आरसीसी रोड नहीं बनने से बच्चों और एंबुलेंस को हो रही भारी परेशानी

छतरपुर।

शहर के वार्ड क्रमांक 19 सटई रोड क्षेत्र के रहवासियों ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर आरसीसी सड़क निर्माण की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। क्षेत्रवासियों ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से इलाके में सीसी रोड का निर्माण नहीं कराया गया है, जिससे लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रहवासियों के अनुसार रेलवे पुल से सूखा मार्ग तक की सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। बरसात के दिनों में सड़क पर कीचड़ और

गड्ढों के कारण हालात और भी खराब हो जाते हैं। इससे स्कूली बच्चों को आने-जाने में दिक्कत होती है, वहीं किसी के बीमार होने पर एंबुलेंस तक मोहल्ले में नहीं पहुंच पाती। वार्डवासियों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका, स्थानीय पार्षद और प्रशासन को कई बार आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। सड़क नहीं बनने से क्षेत्र की मूलभूत सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं और लोगों को हर दिन परेशानी झेलनी पड़ रही है। जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों ने कलेक्टर से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि वार्डवासियों को राहत मिल सके और आवागमन सुगम हो सके।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का सम्मेलन 14 मई को चाकघाट में

रीवा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना के तहत गरीब परिवार की बेटियों के विवाह सामूहिक विवाह समारोह में संपन्न कराए जाते हैं। इस क्रम में त्योंथर विधानसभा क्षेत्र में चाकघाट कृषि उपज मण्डी में 14 मई को दोपहर 12 बजे से सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद जनार्दन मिश्र होंगे। समारोह की अध्यक्षता विधायक त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी राज करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता राजमणि मांझी, डॉ. संगीता सोनल शर्मा, श्रीमती सुमन विकास कोल तथा बबोल प्रसाद कोल शामिल होंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष त्योंथर श्रीमती मीनू देवी कोल, उपाध्यक्ष श्रीमती अंजना सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष त्योंथर श्रीमती कृष्णवती शुक्ला, नगर परिषद अध्यक्ष चाकघाट विभव जायसवाल, उपाध्यक्ष शप्तिमा गुप्ता तथा उपाध्यक्ष नगर पंचायत त्योंथर राजकुमार मिश्रा शामिल होंगे।

महर्षि बाल्मीकि प्रोत्साहन योजना से उच्च शिक्षा के लिए मिल रही प्रोत्साहन राशि

रीवा। अनुसूचित जाति वर्ग के कक्षा 12वीं पास विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश लेने पर महर्षि बाल्मीकि प्रोत्साहन योजना से राशि दी जाती है। विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं से देश के बड़े शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने पर इसका लाभ मिलता है। अनुसूचित जाति के मध्यप्रदेश के मूल निवासी परिवारों के विद्यार्थी इसके लिए पात्र हैं। योजना का लाभ लेने के लिए परिवार की वार्षिक आय आठ लाख रुपए से अधिक नहीं होना चाहिए। आईआईटी, एम्स, एमबीबीएस, बीडीएस में प्रवेश लेने पर 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। नेशनल डिफेंस एकेडमी की प्रवेश परीक्षा में सफल होकर प्रशिक्षण में शामिल होने पर 50 हजार रुपए तथा क्लैट के माध्यम से एनएलआईयू में प्रवेश लेने पर भी 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। जेईई के माध्यम से एनआईटी में प्रवेश लेने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र विद्यार्थी जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग से संपर्क कर सकते हैं। विभाग की वेबसाइट एससी डेवलपमेंट एमपी डॉट एनआईसी डॉट इन पर भी योजना से जुड़ी जानकारी और आवेदन पत्र उपलब्ध है।

मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार

रीवा। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकण्डरी एजुकेशन (सीबीएसई) तथा इण्डियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकण्डरी एजुकेशन परीक्षाओं में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त रखने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इन विद्यार्थियों को डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार के तहत राशि दी जाती है। यह योजना अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए कक्षा दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में लागू है। मेरिट सूची में प्रथम से छठवें स्थान तक प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को यह राशि दी जाती है। इन विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित भी किया जाता है। विद्यार्थियों का चयन बोर्ड द्वारा जारी राज्य स्तरीय मेरिट सूची से किया जाता है। कक्षा दसवीं की मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बालक और बालिका दोनों को 30 हजार रुपए तथा दूसरा स्थान प्राप्त करने पर 25 हजार रुपए की राशि दी जाती है। इसी तरह मेरिट सूची में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले बालक और बालिका को 20 हजार रुपए तथा चौथा स्थान प्राप्त करने पर केवल बालिका को 15 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। मेरिट सूची में पाँचवा स्थान प्राप्त करने पर 10 हजार रुपए तथा छठवां स्थान प्राप्त करने पर 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि केवल बालिकाओं को दी जाती है। कक्षा बारहवीं की मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बालक और बालिका दोनों को 51 हजार रुपए तथा दूसरा स्थान प्राप्त करने पर 40 हजार रुपए की राशि दी जाती है। इसी तरह मेरिट सूची में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले बालक और बालिका को 30 हजार रुपए तथा चौथा स्थान प्राप्त करने पर केवल बालिका को 20 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। मेरिट सूची में पाँचवा स्थान प्राप्त करने पर 15 हजार रुपए तथा छठवां स्थान प्राप्त करने पर 10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि केवल बालिकाओं को दी जाती है। योजना का लाभ केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को ही दिया जाता है। इस योजना में आय सीमा का बंधन नहीं है।

बिजली विभाग का कारनामा : बिना ट्रांसफार्मर मल्टीप्लेक्स बिल्डिंग को दे दिया 60 किलोवाट का कनेक्शन

मिलीभगत के कनेक्शन में लंबे लेनदेन की आशंका, चर्चाओं का बाजार गर्म

रीवा।

शहर में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। सूत्रों की माने तो मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी पर नियमों की अनदेखी कर एक व्यावसायिक मल्टीप्लेक्स बिल्डिंग को कथित रूप से अवैध तरीके से बिजली कनेक्शन दिया गया है, बता दे गरीब एवं मध्यम परिवार के घरों का कनेक्शन काटकर नियमों की दुहाई बताने वाला रीवा का बिजली विभाग के पास बड़े व्यवसाई एवं बड़े बिल्डिंग संचालकों के लिए किसी प्रकार का कोई नियम नहीं है, बिजली विभाग के दफ्तर में सुबह से ही गरीब एवं मध्यम परिवार के लोग अधिकारियों के सामने हाथ जोड़कर एवरेज बिजली बिल एवं विभिन्न समस्याओं को लेकर मिन्नत करते नजर आते है, जिनको अधिकारियों द्वारा एक लंबा चौड़ा नियमों का पाठ पढ़कर बिल जमा कराया जाता है यदि नहीं जमा किया गया तो कनेक्शन भी काट दिया जाता है, लेकिन बड़े व्यवसायों के लिए इन बिजली विभाग की जिम्मेदारों के पास किसी भी प्रकार के कोई भी नियम नहीं है, जिसका जीता जागता उदाहरण आए दिन निकलकर बिजली विभाग के सामने आते हैं, ताजा मामला शहर के व्यस्त अमहिया रोड स्थित सफारी होटल के समीप नवनिर्मित श्री महेश टावर व्यावसायिक भवन का है, जहां हाल ही में सिटी कार्ड मॉल का संचालन शुरू हुआ है। जहां विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों ने भवन संचालक से मिलीभगत कर बिना पृथक ट्रांसफार्मर लगाए ही भारी विद्युत भार का कनेक्शन जारी कर दिया। इतना ही नहीं, पूरे मामले को तकनीकी रूप से वैध दिखाने के लिए एक ही भवन में 30-30 किलोवाट के दो अलग-अलग कनेक्शन जारी किए गए, जबकि कुल लोड 60 किलोवाट बताया जा रहा है। जानकारों की मानें तो विभागीय नियमों के अनुसार किसी भी व्यावसायिक भवन, मॉल या मल्टीप्लेक्स को बिजली आपूर्ति देने के लिए अलग ट्रांसफार्मर लगाना अनिवार्य होता है। इसके बावजूद बिना ट्रांसफार्मर लगाए कनेक्शन जारी किया जाना विभागीय नियमों और सुरक्षा मानकों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा मामला शहर के बीचों-बीच और विद्युत विभाग के कार्यालय से कुछ ही दूरी पर सामने आया है। बात दे भवन में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन के लिए बड़े पैमाने पर बिजली की आवश्यकता है। इसके बावजूद विभाग ने भवन संचालक को राहत देते हुए विभागीय प्रक्रिया को दरकिनार कर दिया। सूत्र बताते हैं कि भवन लगभग 3800 वर्गफीट क्षेत्र में निर्मित है और यहां मॉल एवं व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। ऐसे भवनों में भारी विद्युत उपकरणों, एसी प्लांट और लिफ्ट संचालन के कारण विद्युत भार काफी अधिक रहता है। पूरे मामले में कुछ ऐसा प्रतीत हो रहा है की बिल्डिंग संचालक द्वारा चांदी के जूते देकर बिजली विभाग के जिम्मेदारों को खुश करने का काम किया गया है। हालांकि जब पूरे मामले के संबंध में बिजली विभाग के शहर कार्यपालनयंत्री अभिषेक शुक्ला से मौखिक रूप में बात की गई तो वह पूरे मामले से भागते हुए नजर आए। दो कनेक्शनों में बांट दिया गया पूरा लोडजानकारी के अनुसार विभाग ने कुल 60 किलोवाट के भार को छिपाने के लिए दो अलग-अलग 30-30 किलोवाट के कनेक्शन जारी किए। माना जा रहा है कि यह पूरा खेल विभागीय नियमों से बचने और ट्रांसफार्मर लगाने की अनिवार्यता खत्म करने के लिए किया गया। जबकि यदि किसी भवन का वास्तविक विद्युत भार निर्धारित सीमा से अधिक है तो उसे विभाजित कर अलग-अलग कनेक्शन देना नियमों की भावना के विपरीत माना जाता है। इससे विभाग को राजस्व हानि होने के साथ-साथ विद्युत व्यवस्था पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है।सरकारी ट्रांसफार्मर से जोड़ दिया कनेक्शनस्थानीय सूत्रों का दावा है कि भवन के सामने शराब दुकान के समीप पहले से स्थापित शासकीय ट्रांसफार्मर का उपयोग कर बिल्डिंग को बिजली सप्लाई दी जा रही है। बता दे विभागीय अधिकारियों ने योजनाबद्ध तरीके से उक्त ट्रांसफार्मर पर अतिरिक्त लोड दर्शाते हुए भवन संचालक को लाभ पहुंचाया गया,इस पूरे मामले में बड़े लेनदेन की भी चर्चाएं हैं। सूत्रों का कहना है कि विभाग के निचले कर्मचारियों से लेकर उच्च अधिकारियों तक की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। पहले भी उजागर हो चुके हैं ऐसे मामलेरीवा शहर में यह पहला मामला नहीं है जब बिजली विभाग पर नियम विरुद्ध कनेक्शन जारी करने के आरोप लगे हों। इससे पहले भी कई व्यावसायिक भवनों और प्रतिष्ठानों को कथित रूप से नियमों की अनदेखी कर बिजली कनेक्शन दिए जाने के मामले सामने आ चुके हैं। कुछ मामलों में शिकायतों और मीडिया में खुलासे के बाद वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जांच कर कार्रवाई भी की गई थी। बावजूद इसके विभागीय कार्यप्रणाली में सुधार नहीं दिखाई दे रहा है, जिससे भ्रष्टाचार लगातार गहराते जा रहा हैं।बिना फायर एनओसी के चल रही चार मंजिला बिल्डिंगमामले का दूसरा गंभीर पहलू यह है कि अमहिया रोड स्थित ग्राउंड फ्लोर मिलाकर चार मंजिला व्यावसायिक बिल्डिंग बिना फायर एनओसी के संचालित हो रही है। नगर निगम के नियमों के तहत किसी भी बहुमंजिला व्यावसायिक भवन में संचालन शुरू करने से पहले फायर विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य होता है। इसके बावजूद भवन में मॉल और अन्य व्यवसायिक गतिविधियां धड़ल्ले से संचालित हो रही हैं। भवन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। ऐसे में यदि किसी प्रकार की आगजनी या विद्युत दुर्घटना होती है तो बड़ा हादसा हो सकता है। हालांकि जब इस संबंध में नगर निगम के फायर विभाग से जानकारी ली गई तो अधिकारियों ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था। मीडिया के माध्यम से जानकारी मिलने के बाद अब संबंधित भवन को नोटिस जारी कर जांच और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इनका कहना है

इस संबंध में अभी मुझे किसी प्रकार की कोई शिकायत एवं जानकारी नहीं मिली है, आपके माध्यम से जानकारी मिली है यदि आप इस संबंध में खबर लिख रहे हैं तो आपकी खबर के आधार पर जांच कराकर कार्यवाही की जाएगी।

प्रमा पाण्डेय
मुख्यअभियंता रीवा संभाग रीवा

प्रधान आरक्षक पर जानलेवा हमले के मामले में पुलिसकर्मी सहित तीन गिरफ्तार

रीवा। शहर के बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस लाइन कॉलोनी में प्रधान आरक्षक पर हुए प्राणघातक हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी पुलिसकर्मी, उसके पुत्र और एक अन्य साथी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिए हैं।जानकारी के अनुसार पुलिस लाइन कॉलोनी में रहने वाले प्रधान आरक्षक मुकेश तिवारी पर बीती देर रात पड़ोस में रहने वाले पुलिसकर्मी सुरेंद्र पाण्डेय उर्फ मामा ने अपने पुत्र और साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया था। बताया जा रहा है कि मामूली विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया और आरोपियों ने लाठी-डंडों एवं कुल्हाड़ी से हमला कर प्रधान आरक्षक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के दौरान कॉलोनी में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। परिजन और आसपास के लोगों ने गंभीर रूप से घायल प्रधान आरक्षक मुकेश तिवारी को तत्काल उपचार के लिए संजय गांधी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि घायल प्रधान आरक्षक की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। पुलिस लाइन जैसी संवेदनशील कॉलोनी में हुई इस वारदात के बाद पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सक्रिय हो गए और आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश जारी किए गए। इसके बाद बिछिया थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी पुलिसकर्मी सुरेंद्र पांडे उर्फ मामा, उसके पुत्र अंश पांडे तथा उनके साथी सुजीत बंसल निवासी गुढ़ चौराहा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी एवं लाठी-डंडे भी बरामद कर लिए हैं। जब्त हथियारों को पुलिस ने मामले में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में सुरक्षित रखा है। आरोपियों के विरुद्ध प्राणघातक हमला, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कलेक्टर की जनसुनवाई में उमड़ी शिकायतकर्ताओं की भीड़, लोगों की समस्याओं का त्वरित हो रहा निराकरण: 564 आवेदकों के प्रकरणों में की सुनवाई, कलेक्टर ने उपेन्द्र मिश्रा को दी कान की मशीन

रीवा।

कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने 564 आवेदकों की समस्यायें सुनीं तथा अधिकारियों को आवश्यक निराकरण के निर्देश दिये। कलेक्टर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े खण्ड स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने स्तर पर जनसुनवाई करें तथा उनका समाधानकारक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि यदि आवेदकों की सुनवाई खण्डस्तर पर हो जाय तो वह अनावश्यक जिले में अपनी समस्याओं के लिये नहीं आयेंगे। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर ने वृद्ध उपेन्द्र मिश्रा को कान की मशीन सौंपी और उपेन्द्र मिश्रा ने कलेक्टर ने धन्यवाद दिया। इसी प्रकार जवा निवासी रामसखी पाठक एवं बिछिया निवासी पार्वती कोरी द्वारा पारिवारिक समस्या से तंग एवं आर्थिक रूप से परेशान होकर कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्या बताई जिस पर कलेक्टर ने दोनों फरियादियों को रेडक्रास के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी माध्यम से दस हजार रूपये एवं दो हजार रूपये की त्वरित आर्थिक सहायता प्रदान कराई। टिकुरी निवासी रामलाल साकेत के बटवारा आवेदन की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराने, उलहीकला के निवासियों ने रास्ता से अतिक्रमण हटाने, दुलहरा के हीरालाल साकेत ने शासकीय भूमि का पट्टा दिलाने तथा ओबरा निवासी मुनेन्द्र प्रसाद तिवारी ने नक्शा तरमीम में दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही का आवेदन दिया जिन्हें संबंधित तहसीलदार को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। सीताशरण सिंह के नक्शा तरमीम के आवेदन पर तहसीलदार जवा को, जयमन कोल मौजा मोहटा के अतिक्रमण हटाने के आवेदन पर तहसीलदार सेमरिया को कार्यवाही कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई में दिये गये। इसी प्रकार सोनवती त्रिपाठी निवासी डूडा के बिना सहमति जमीन के शासकीय दर्ज करने के आवेदन में एसडीएम मनगवां तथा उमाशंकर द्विवेदी सेमरीकला के वटवारा व नक्शा तरमीम के आवेदन में एसडीएम मनगवां को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। हरीश तिवारी निवासी मौहरिया के भूअर्जन अवार्ड दिलाने तथा सियादुलारी गोंदकला के मुआवजा भुगतान कराने के आवेदन पर भूअर्जन अधिकारी को, बेलपति निवासी कल्याणपुर के नहर की मुआवजा दिलाने के आवेदन पर सिंचाई विभाग के अधिकारी को तथा उपरहटी निवासी संतोष शुक्ला के प्रधानमंत्री किसान निधि का लाभ दिलाये जाने के आवेदन पर एसएलआर को समुचित कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई में दिये गये। पुरैना निवासियों ने कलेक्टर ने गांव की मूलभूत समस्याओं के निराकरण का आवेदन दिया। कलेक्टर ने सीईओ जनपद को मौका निरीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार ग्राम पंचायत कटकी के निवासियों ने भी अपने ग्राम पंचायत की समस्यायें सुनाई जिस पर कलेक्टर ने सीईओ जनपद को मौके पर जाकर समाधान करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि ग्राम पंचायतों में सभी आवश्यक कार्य करायें जाय तथा जिसने भी गड़वड़ी की हो उसके विरूद्ध वसूली की कार्यवाही करें। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों में अनावश्यक स्थगन न दें। कलेक्टर ने अनुकंपा नियुक्ति के लिये शिविर लगाकर प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे तथा खण्ड स्तरीय अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने भी आवेदकों की समस्यायें सुनीं।

घरेलू विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई की धारदार हथियार से वार कर उतारा मौत के घाट

गुड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत हरदुआ गांव की घटना

रीवा।

जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हरदुआ में पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद छोटे भाई ने अपने ही सगे बड़े भाई पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई,पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार ग्राम हरदुआ निवासी धर्मेंद्र कोल (28) और उसके छोटे भाई गोलू कोल (23) के बीच बीती रात किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से घरेलू तनाव की स्थिति बनी हुई थी, जो देर रात अचानक हिंसक रूप में बदल गई। विवाद के दौरान आरोपी धर्मेंद्र कोल ने आवेश में आकर अपने बड़े भाई जितेंद्र उर्फ गोलू कोल पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल जितेंद्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। वारदात की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए।सूचना मिलने पर गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की। देर रात तक मृतक का शव पैतृक घर पर रखा रहा, जहां परिजनों और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा रही। पूरे गांव में घटना के बाद से सन्नाटा पसरा हुआ है।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक प्रारंभिक जांच में मामला घरेलू विवाद से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। हालांकि हत्या के पीछे अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

शहर में चलेगी मिनी सिटी बसें, प्रमुख चौराहों का होगा रीडिजाइन, मल्टी लेवल पार्किंग की तैयारी

तैयार हुआ कॉमप्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान 2026

रीवा।

शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था, बढ़ते जाम और पार्किंग संकट के समाधान के लिए तैयार किए गए कॉमप्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान-2026 का मंगलवार को नगर निगम रीवा में विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) भोपाल की टीम ने निगम आयुक्त अक्षत जैन की मौजूदगी में शहर के ट्रैफिक सुधार को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे।मैनिट के सह प्राध्यापक राहुल तिवारी के निर्देशन में तैयार इस रिपोर्ट में रीवा शहर की वर्तमान एवं भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक परिवहन, पार्किंग, सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर व्यापक योजना प्रस्तुत की गई।=मैनिट टीम ने बताया कि मोबिलिटी प्लान तैयार करने से पहले शहर में विस्तृत तकनीकी सर्वे और अध्ययन किए गए। इसमें ट्रैफिक वॉल्यूम काउंट, पार्किंग सर्वे, हाउसहोल्ड सर्वे, स्पॉट स्पीड स्टडी, जंक्शन इन्वेंटरी, पब्लिक ट्रांसपोर्ट यूजर इंटरव्यू और इंटरमीडिएट पारा ट्रांजिट सर्वे जैसे अध्ययन शामिल रहे।इन सर्वेक्षणों के जरिए शहर के ट्रैफिक फ्लो, जाम की स्थिति, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग, पार्किंग व्यवहार और सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया।=रिपोर्ट में बताया गया कि शहर के व्यावसायिक क्षेत्र शिल्पी प्लाजा और अस्पताल चौक में पार्किंग का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए यहां मल्टी लेवल पार्किंग और सेंसर आधारित स्मार्ट पार्किंग सिस्टम विकसित करने का सुझाव दिया गया है।वहीं जय स्तंभ, सिरमौर चौराहा, धोबिया टंकी और घोड़ा चौराहा जैसे प्रमुख जंक्शनों पर ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए इनके रीडिजाइन और चैनलाइजेशन का प्रस्ताव रखा गया।0बैठक में निगम आयुक्त अक्षत जैन ने कहा कि डेटा आधारित अध्ययन शहर की वास्तविक यातायात जरूरतों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि अन्य शहरों में सफल मॉडल्स का अध्ययन कर रीवा की परिस्थितियों के अनुसार उन्हें लागू करने पर काम किया जाएगा।=उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में प्रमुख चौराहों और जंक्शनों के सुधार, ट्रैफिक मूवमेंट को व्यवस्थित करने तथा जाम की स्थिति कम करने वाले कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।=बैठक में सहायक यंत्री पीडब्ल्यूडी ओमकार मिश्रा, ट्रैफिक सूबेदार अखिलेश कुशवाहा, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर मुरारी कुमार और एमपीआईडीसी के एजीएम मोहित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।पांच कॉरिडोर पर चलेंगी मिनी सिटी बसेंमैनिट टीम ने सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाने के लिए शहर में मिनी सिटी बस सेवा शुरू करने का प्रस्ताव भी दिया। योजना के अनुसार मिनी बसें पांच प्रमुख बस कॉरिडोर और चार फीडर रूट पर संचालित की जा सकती हैं।पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों पर भी फोकसप्रस्तुतीकरण में पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित आवागमन व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया गया। इसके तहत चौड़े एवं समर्पित फुटपाथ बनाने का सुझाव रखा गया।0इसके साथ ही इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के तहत एएनपीआर और सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव भी दिया गया, जिससे ट्रैफिक अनुशासन और सड़क सुरक्षा को तकनीकी रूप से मजबूत किया जा सके।